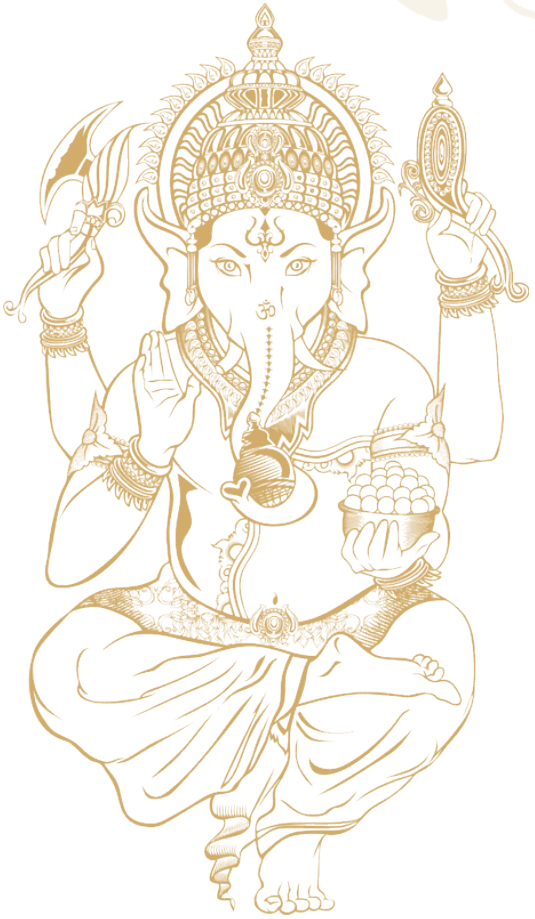

Vineet Kuma r

17 Oct 1981

04:00 AM

Sunam

Model: web-freekundliweb

Order No: 121119303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/10/1981**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	53:46:34 घटी
स्थान	**Sunam**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:08:00 उत्तर
रेखांश	75:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:33:12 घंटे
वेलान्तर	00:14:23 घंटे
साम्पातिक काल	05:14:36 घंटे
सूर्योदय	06:29:22 घंटे
सूर्यास्त	17:55:08 घंटे
दिनमान	11:25:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:52:07 कन्या
लग्न के अंश	26:31:24 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	26:31:24	313:38:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	---
सूर्य			कन्या	29:52:07	00:59:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			वृष	17:24:27	14:43:58	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	03:58:00	00:35:25	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	तुला	03:12:11	01:12:52	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु		अ	कन्या	27:44:55	00:13:02	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	15:17:18	01:06:36	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि		अ	कन्या	20:33:11	00:07:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	03:46:26	00:06:11	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:46:26	00:06:11	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	04:36:50	00:03:13	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	28:59:46	00:01:22	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	00:38:25	00:02:24	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			वृष	25:57:52	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:53

लग्न-चलित

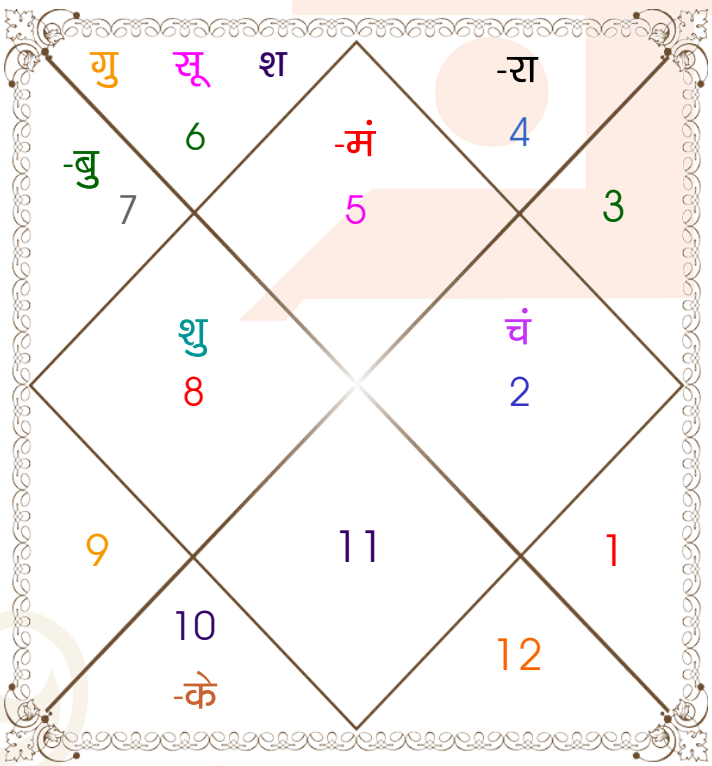

चन्द्र कुंडली

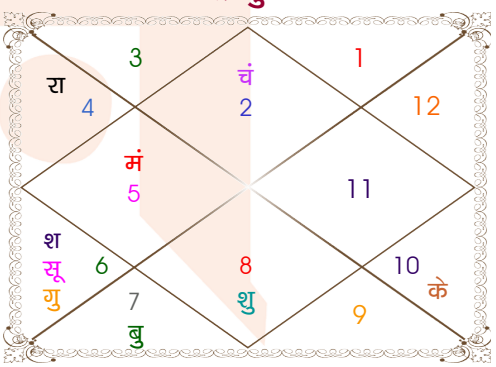

नवमांश कुंडली

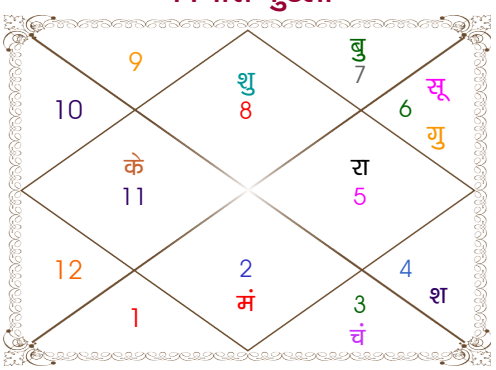

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 5 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/10/1981		28/03/1986		28/03/1993		28/03/2011		28/03/2027	
28/03/1986		28/03/1993		28/03/2011		28/03/2027		28/03/2046	
	00/00/0000	मंगल	24/08/1986	राहु	09/12/1995	गुरु	15/05/2013	शनि	31/03/2030
	00/00/0000	राहु	12/09/1987	गुरु	03/05/1998	शनि	27/11/2015	बुध	08/12/2032
	00/00/0000	गुरु	18/08/1988	शनि	09/03/2001	बुध	04/03/2018	केतु	17/01/2034
	17/10/1981	शनि	26/09/1989	बुध	27/09/2003	केतु	08/02/2019	शुक्र	19/03/2037
शनि	26/01/1982	बुध	24/09/1990	केतु	14/10/2004	शुक्र	09/10/2021	सूर्य	01/03/2038
बुध	28/06/1983	केतु	20/02/1991	शुक्र	15/10/2007	सूर्य	28/07/2022	चंद्र	30/09/2039
केतु	27/01/1984	शुक्र	21/04/1992	सूर्य	08/09/2008	चंद्र	27/11/2023	मंगल	08/11/2040
शुक्र	26/09/1985	सूर्य	27/08/1992	चंद्र	10/03/2010	मंगल	02/11/2024	राहु	15/09/2043
सूर्य	28/03/1986	चंद्र	28/03/1993	मंगल	28/03/2011	राहु	28/03/2027	गुरु	28/03/2046

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/03/2046		28/03/2063		28/03/2070		28/03/2090		27/03/2096	
28/03/2063		28/03/2070		28/03/2090		27/03/2096		00/00/0000	
बुध	24/08/2048	केतु	24/08/2063	शुक्र	27/07/2073	सूर्य	16/07/2090	चंद्र	26/01/2097
केतु	21/08/2049	शुक्र	23/10/2064	सूर्य	28/07/2074	चंद्र	14/01/2091	मंगल	27/08/2097
शुक्र	21/06/2052	सूर्य	28/02/2065	चंद्र	27/03/2076	मंगल	22/05/2091	राहु	26/02/2099
सूर्य	27/04/2053	चंद्र	29/09/2065	मंगल	28/05/2077	राहु	15/04/2092	गुरु	28/06/2100
चंद्र	27/09/2054	मंगल	26/02/2066	राहु	27/05/2080	गुरु	01/02/2093	शनि	18/10/2101
मंगल	24/09/2055	राहु	16/03/2067	गुरु	26/01/2083	शनि	14/01/2094		00/00/0000
राहु	12/04/2058	गुरु	20/02/2068	शनि	28/03/2086	बुध	20/11/2094		00/00/0000
गुरु	18/07/2060	शनि	31/03/2069	बुध	26/01/2089	केतु	28/03/2095		00/00/0000
शनि	28/03/2063	बुध	28/03/2070	केतु	28/03/2090	शुक्र	27/03/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।